मीडिया = संचार - माध्यम = संचार + माध्यम

संचार = COMMUNICATION<COMMUNIS

TO MAKE COMMON

TO SHARE

TO IMPORT

TO TRANSMIT

अर्थात् सामान्य भागीदारी युक्त सूचना, संप्रेषण.

प्रोफेसर बिलबर श्राम- संचार में एक व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह के साथ एक्य या सामान्यतया की स्थापना समाहित होती है. संचार संदेश प्रेषण ग्राह्यता युक्त प्रक्रिया है.

संचार का प्रारूप

प्रोफेसर लासवेल- कौन क्या कहता है ? किस माध्यम से कहना है किस से कहता है और किस भाव से कहता है?

संचार के घटक

स्रोत - संदेश - माध्यम - प्राप्तकर्ता/स्रोत - परिणाम/प्रभाव - फीडबैक/प्रतिक्रिया

संचार के स्वरूप

- **व्यक्तिगत आंतरिक संचार** INTRA PERSONAL COMMUNICATION
- **अंत:व्यक्ति संचार** INTER PERSONAL COMMUNICATION (व्यक्तिगत

संपर्क) - टीवी, टेलीफोन, फैक्स आदि.

- **समूह संचार** GROUP COMMUNICATION

क. संदेश या सूचना श्रोता समूह के लिए
ख. एकत्रित समूह का हित तथा समान उद्देश्य
ग. जातीय, वर्ग आदि पर आधारित
घ. सभा, गोष्ठी, परिचर्चा, संगीत, नाटक

- **जनसंचार** MASS COMMUNICATION

क. बिखरे हुए लोगों तक सूचना - अखबार, दूरदर्शन, रेडियो आदि

माध्यम - दो बिंदुओं को जोड़ने वाला संप्रेषक - श्रोता/दर्शक

संचार माध्यम के कार्य

क. सूचना संग्रह एवं प्रसार

ख. सूचना का विश्लेषण

ग. सामाजिक सामाजिक मूल्यों एवं ज्ञान का संचरण

घ. मनोरंजन

संचार माध्यम

- **परंपरागत-** वार्ता, कथा, मेले, उत्सव तथा पर्व - मूर्तिकल (अजंता,एलोरा) - वास्तुकला (कोणार्क तथा खजुराहो), वस्तु वर्णन चित्रकला (सांझी, मधुबनी) - ललित कला (संगीत नृत्य) - लोकसाहित - (लोक गाथा, लोकनाट्य, कथा, गीत विविध) - शिलालेख पशु पक्ष तथा मनुष्य
- **आधुनिक -** डाक प्रणाली
- **प्रिंट -** समाचार पत्र, पत्रिकाएं, हैंडबिल, पंपलेट आदि
- **इलेक्ट्रॉनिक -** टेलीफोन, रेडियो, दूरदर्शन, कंप्यूटर, फैक्स, पेजिंग, इंटरने आदि.

जन संचार, प्रौद्योगिकी और संस्थापक आधार पर आधृत, विस्तृत अथवा विशाल रूप में लोगों तक सूचना संग्रह और प्रेषण आधृत क्रिया है.

- पृथ्वी नाथ पांडे

प्रमुख स्वरुप

क. **रेडियो :** वार्ता, परिचर्चा, भेंटवार्ता, कमेंट्री, विज्ञापन, रूपक, रूपांतरण आदि.

ख. **दूरदर्शन :** वृत्तचित्र, डॉक्यूड्रामा, परिचर्चा, बैले, कार्टून/एनीमेशन, फीचर, वीडियो मैगजीन, टेलीफिल्म, धारावाहिक आदि.

ग. **समाचार पत्र :** समाचार, रिपोर्ट, फीचर, लेख, कार्टून आदि.

घ. **नाटक :** एकांकी, लोकनाट्य, रेडियो नाटक, संगीत नाटक, नृत्य नाटिका आदि.

ड. कंप्यूटर : इंटरनेट, ईमेल, ई-कॉमर्स

पर्वतारोहण सोपानगमन नहीं बल्कि लोहे के चने चबाने जैसा दुष्कर कार्य है जिसमें बड़े-बड़े जीवधारियों की महत्वाकांक्षाएं हताशा में परिणत हो जाती हैं.

पहाड़ पर चढ़ना सीढ़ी पर चढ़ने जैसा आसान नहीं बल्कि यह अत्यंत कठिन कार्य है.

माध्यम लेखन प्रविधि

- परिचर्चा (Discussion)
- शोध (Research)
- प्रारूप (Format)
- विश्लेषण (Analysis)

परिचर्चा

- विचार अथवा कथानक
- अवधि
- आर्थिक व्यय
- स्वरूप
- भाषा
- दृश्य परिकल्पना

शोध

- कथा अनुकूल प्रमाण
- दृश्य सामग्री
- मंच सामग्री - विद्युत उपकरण, संगीत
- अभिनेता/वाचक
- वेशभूषा

प्रारूप

•ऑनलाइन स्टोरी

•कच्ची रूपरेखा

•कथा के आधार पर दृश्य क्रम

•कथा के आधार पर संवाद

•कैमरामैन, संगीतज्ञ, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था पर आज के निर्देश सहित

विश्लेषण

- क्या पटकथा दृश्यात्मक है?
- क्या उसे रेडियो/दूरदर्शन/पत्र में प्रस्तुत किया जा सकता है?
- क्या प्लाट का निश्चित रूप उचित है?
- क्या पटकथा कथ्य को स्पष्ट करने में सक्षम है?
- क्या पटकथा का विकास उचित क्रम में हुआ है?
- क्या चयनित दृश्य अथवा संवाद दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुए हैं?
- क्या पटकथा में पात्रों का चारित्रिक विकास ठीक ढंग से हुआ है?
- क्या संवाद योजना कथ्य की प्रस्तुति में सहायक है?
- क्या भाषा पात्रानुकूल एवं भावानुकूल है?
- क्या शब्दावली बोधगम्य है?
- क्या पटकथा सामाजिक मूल्यों पर खरी उतरती है? (सेंसरशिप)
- क्या श्रव्य-दृश्य समतुल्य है?

क्या कथ्य-दृश्य क्रमबद्ध है?

कथा के अनुसार दृश्य क्रम

दृश्य- एक

स्थान : आनंद का घर (भीतरी भाग)

समय : दिन

पात्र : आनंद, मेदिनी, सुहास, सौम्या

आनंद गहरी चिंता और घने दुख से भरा कमरे चहलकदमी कर रहा है. मेदिनी कार से आकर उससे चिंता कारण पूछती है. वह यह भी जानना चाहती है कि उसका बे सुहास सुबह-सुबह कहां चला गया है. आनंद कहता है कि तुम्ह घर का चिराग दिन के उजाले में कहीं भटक रहा होगा. अचान सुहास सौम्या के साथ आता है. सुहास कुछ कहे इससे पह आनंद भड़क उठता है.....'तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई कि रास की धूल को मेरे ड्राइंगरूम तक ले आए?' मेदिनी जो इस प्रकर से अनभिज्ञ है.....सब कुछ जानना चाहती है. सुहास आनंद कुछ बातों का उत्तर देते हुए उत्तेजित हो जाता है तो मेदि सुहास को थप्पड़ मार देती है. सुभाष सौम्या का हाथ पकड़क तेजी से बाहर जाता है.

द्विभागीय प्रारूप

दृश्य	श्रव्य
स्टेशन/विधानसभा	उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ
हिंदू-मुस्लिम चरित्र गले मिलते हुए	अपनी गंगा-जमुनी संस्कृति
टीले वाली मस्जिद/हनुमान मंदिर/	ऐतिहासिक इमारतों और बागों के
इमामबाड़ा/छतर मंजिल/बुद्धा पार्क.	लिए प्रसिद्ध

फिल्म पटकथा के सोपान

- अवधि ६० से ७० दृश्य
- प्रभावी ओपनिंग
- नायक नायक और खलनायक की प्रभावी इंट्री
- मूल कथा का बीजारोपण
- चरित्र संख्या पर नियंत्रण
- मध्यांतर
- सेमी क्लाइमैक्स
- क्लाइमैक्स

धन्यवाद

प्रस्तुति

प्रो॰ पवन अग्रवाल
हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
Email : pawan_lu@rediffmail.com